कश्ती

निशीथ महेता

एकलव्य

कश्ती

निशीथ महेता

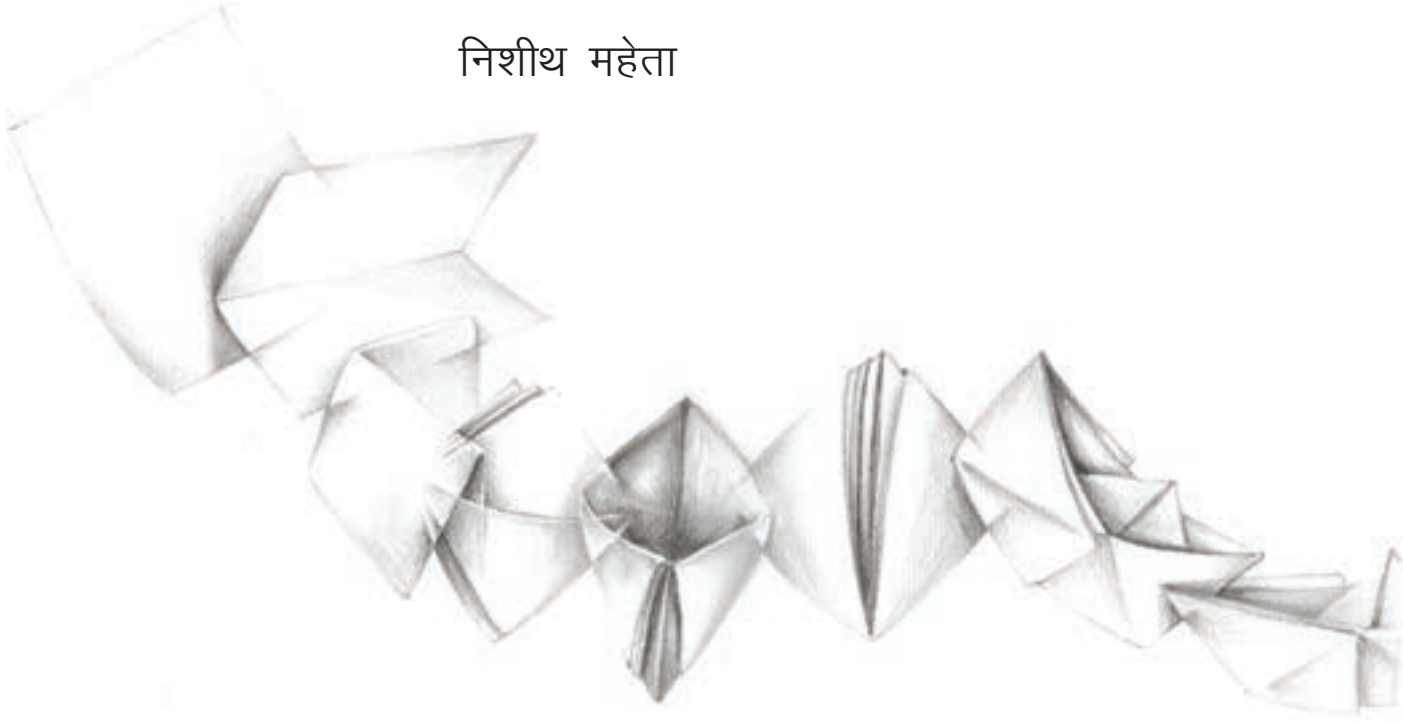

एकलव्य

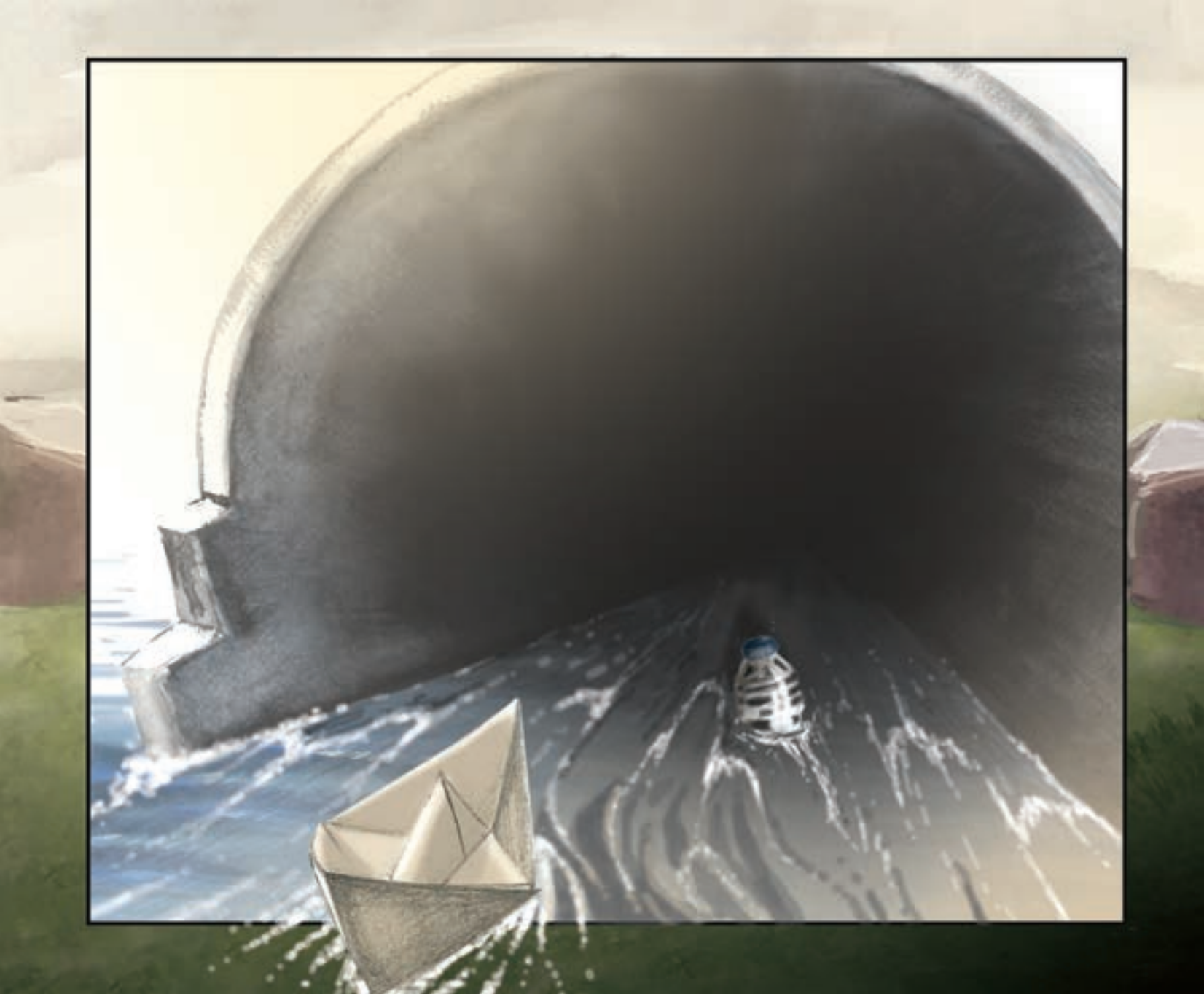

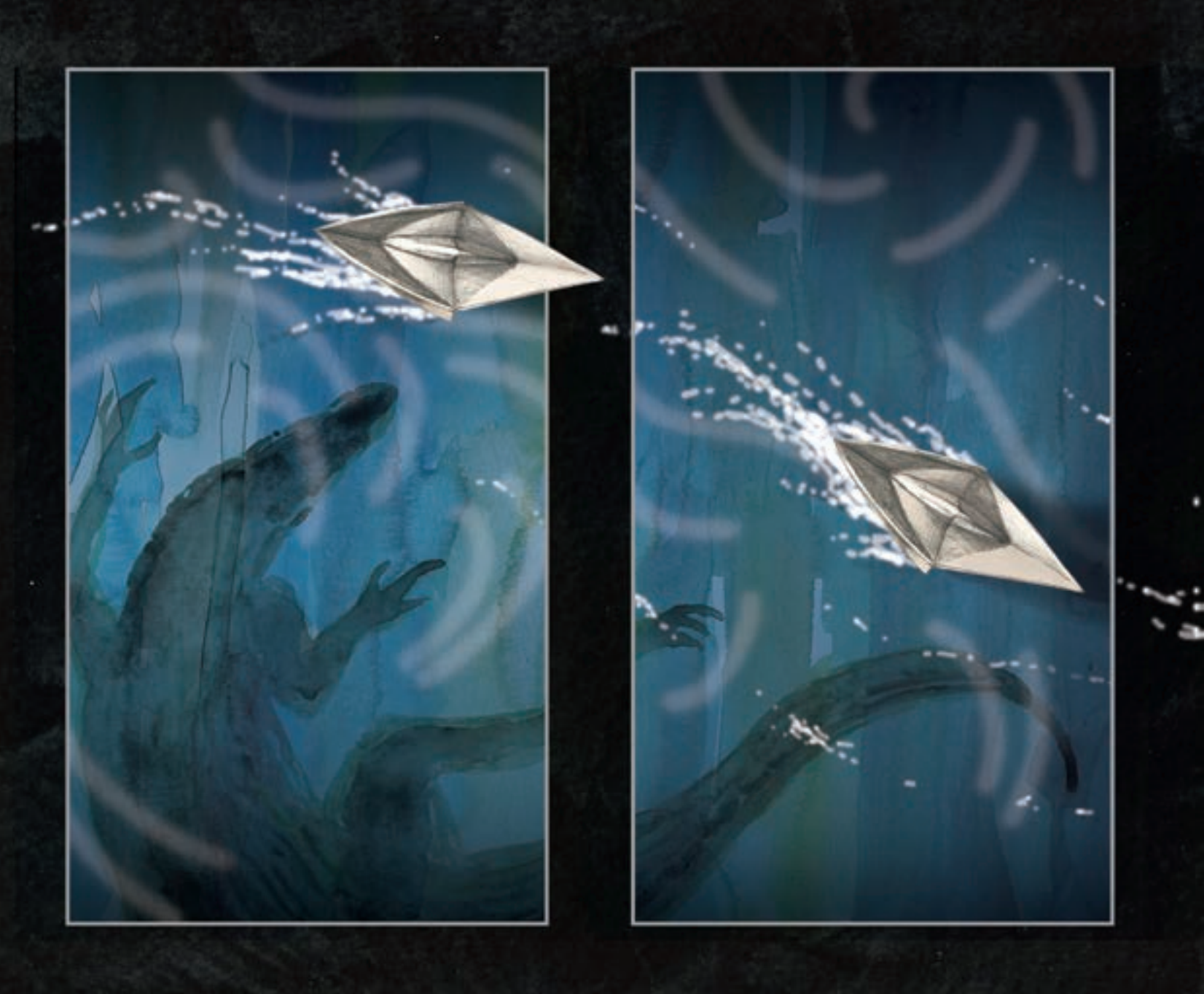

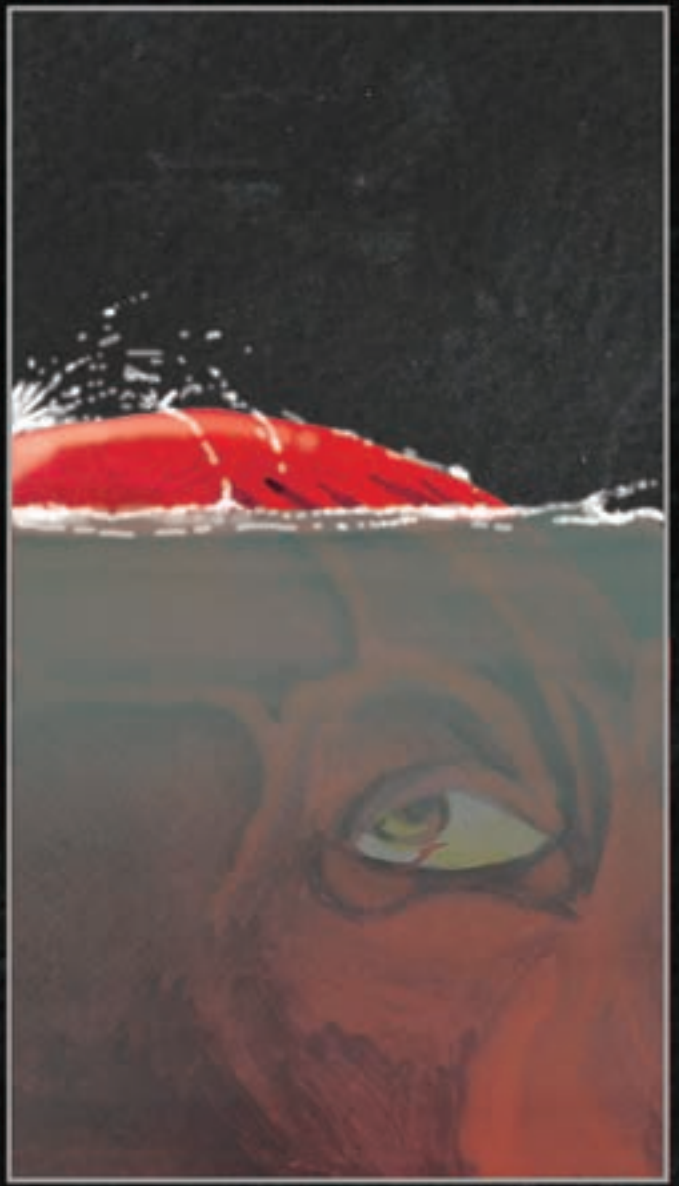

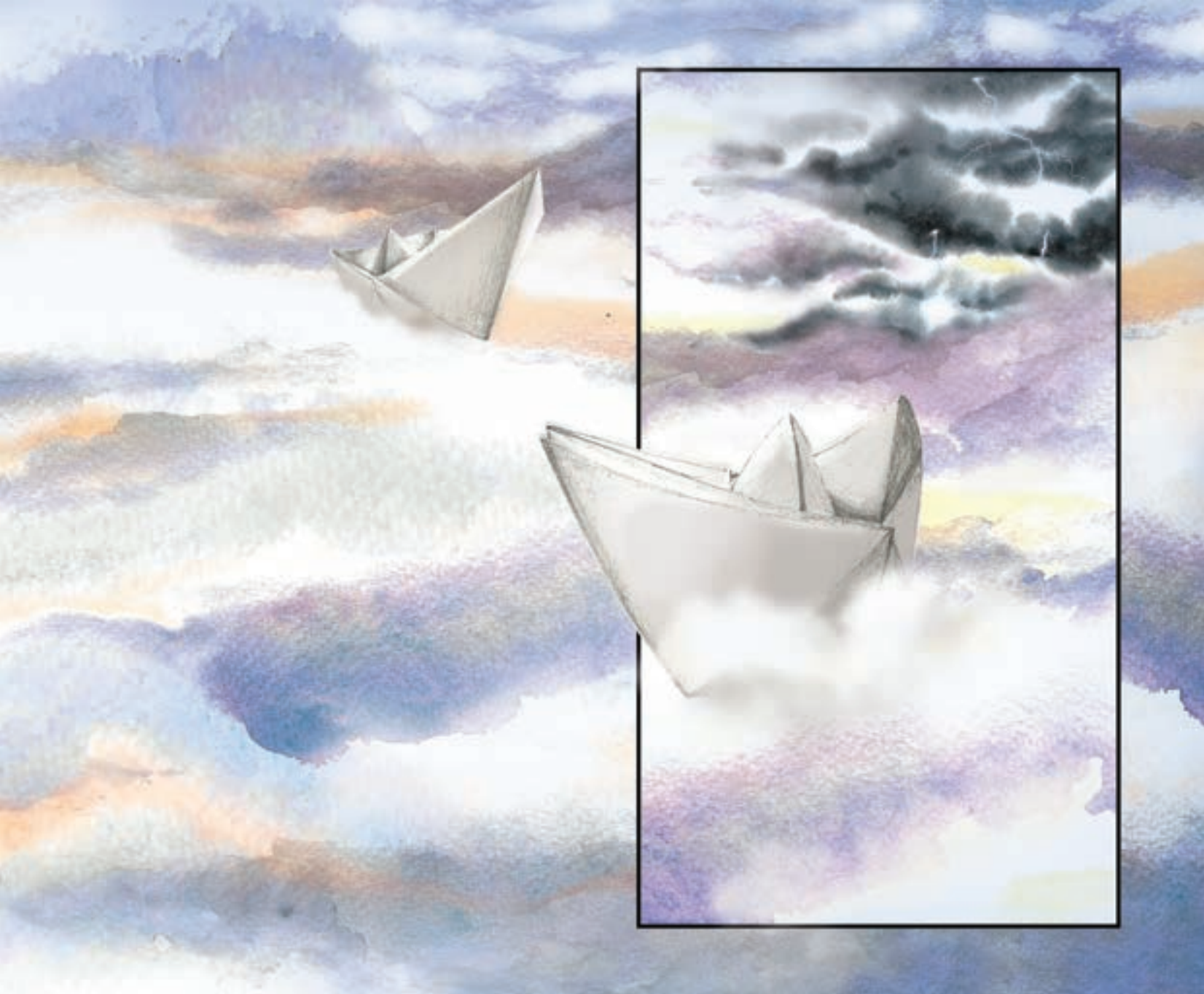

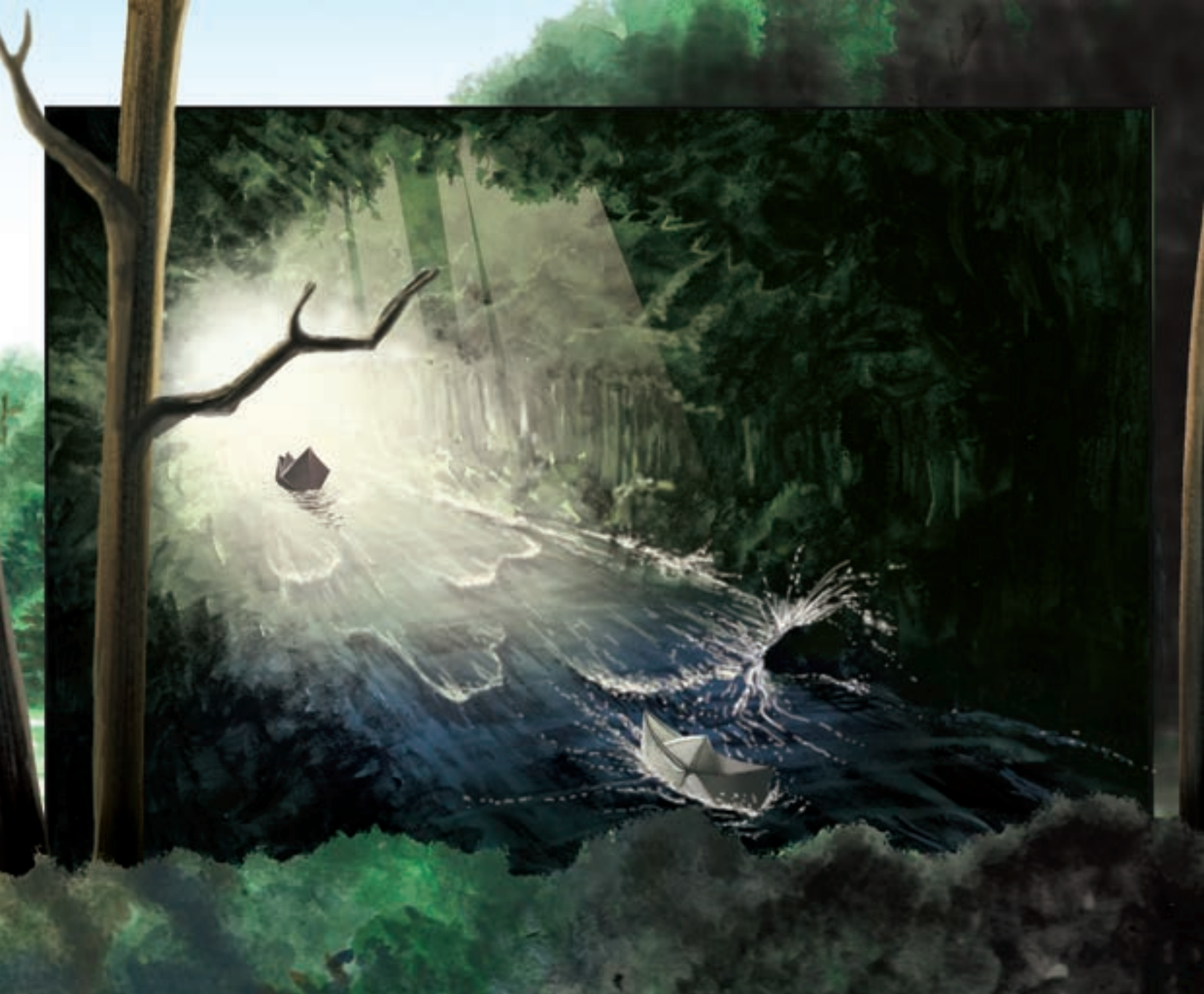

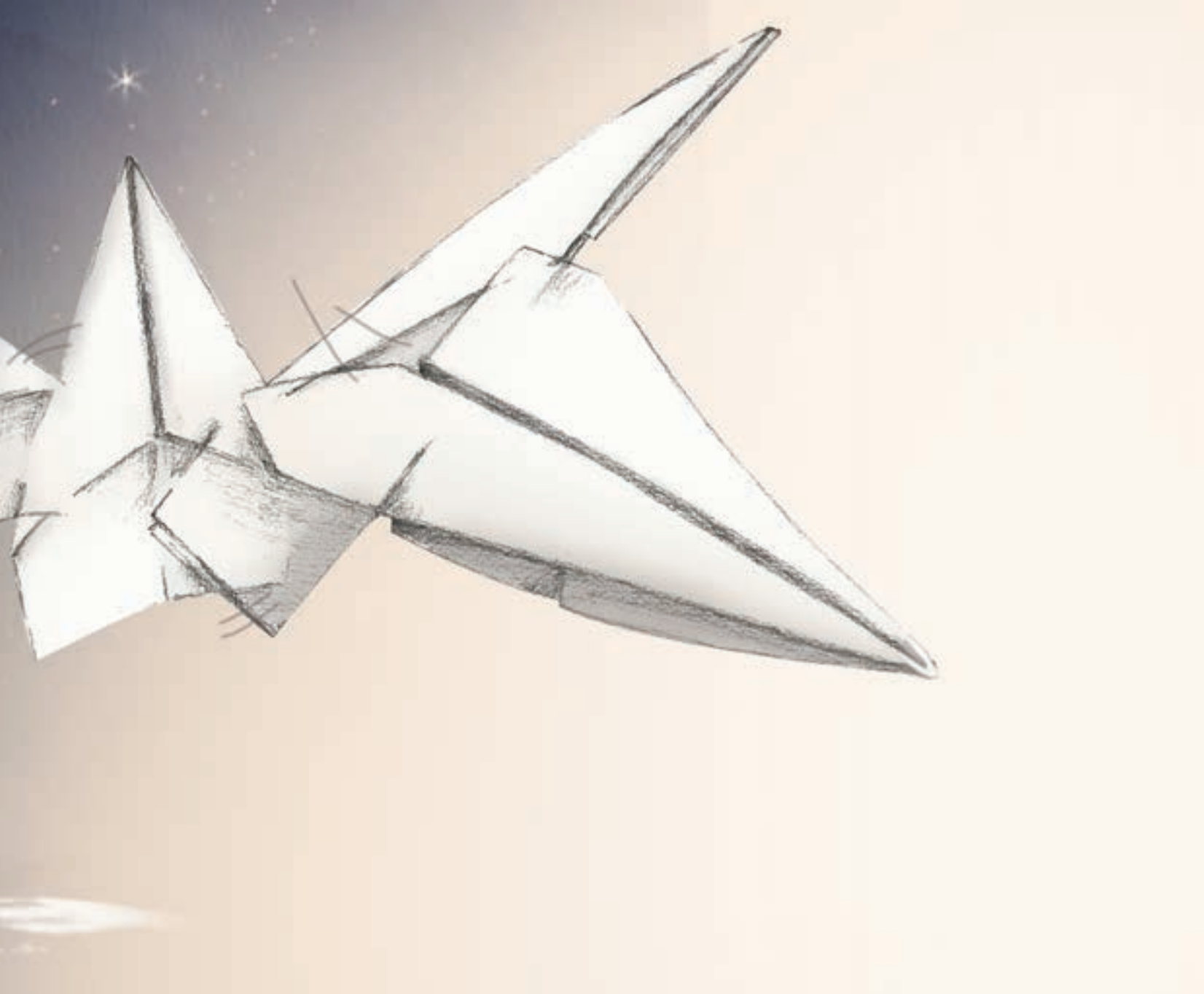

कश्ती / KASHTI

कविता और चित्र: निशीथ महेता
डिज़ाइन: इशिता देबनाथ बिस्वास
सम्पादन: दीपाली शुक्ला

कविता और चित्र: निशीथ महेता, सितम्बर 2020

यह किताब क्रिएटिव कॉमन्स के Attribution-Non-Commercial-NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) लाइसेंस के अन्तर्गत है जिसका पूरा विवरण https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/ पर उपलब्ध है।

इस किताब का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों हेतु मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में लेखक व चित्रकार और प्रकाशक का ज़िक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए प्रकाशक के ज़रिए लेखक व चित्रकार से अवश्य सम्पर्क करें।

ईडेलगिव फाउंडेशन और पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

इस किताब के निर्माण में वित्तीय सहयोग के लिए हम आभा दास्ताने राव, राधा गोपालन व कृष्ण राव, अजय शर्मा और विजय मोहरिर का भी तहेदिल से आभार प्रकट करते हैं।

संस्करण: सितम्बर 2020/ 2000 प्रतियाँ
कागज़: 100 gsm मैट आर्ट व 210 gsm पेपरबोर्ड (कवर)

ISBN: 978-93-87926-26-4
मूल्य: ₹ 55.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर, जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 297 7770-71-72-73 www.eklavya.in/ books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल; फोन: +91 755 268 7589

हिलती-डुलती बहती,
बहती-बहती बहकती।

डरती-डरती तैरती।

बचती फिरती तैरती,
तैरती-तैरती भिड़ती।

उलझती।

दिखती छिपती,
छिपती दिखती।

लुढ़कती।

जलती कटती चलती।

घूमती-घूमती उड़ती।

उड़ती-उड़ती उतरती।

हिलती-डुलती बहती,
बहती-बहती गिरती।

मुड़ती-मुड़ती बनती,
मैं रॉकेट...

निशीथ महेता

निशीथ चित्रकार, लेखक और अध्यापक हैं। इन्होंने एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा से पेंटिंग में बीवीए और आर्ट हिस्ट्री में एमवीए किया है। निशीथ एकलव्य की पत्रिकाओं *चकमक* और *सन्दर्भ* के लिए समय-समय पर चित्र बनाते रहे हैं। फिलहाल मुम्बई में रहते हैं।

कहानी कागज़
की कश्ती और
उसके सफर की।
कहानी जो शब्दों में
नहीं, चित्रों में
चलती है।

एकलव्य

EdelGive Foundation
An Edelweiss Initiative

parag
AN INITIATIVE OF TATA TRUSTS

मूल्य: ₹ 55.00

9 789387 926264